

पेनल्टी किधर मारनी है और गोलकीपर कहां डाइव लगाएगा; इंग्लैंड की टीम के लिए अब यह कोच नहीं, एआई तय कर रहा

भास्कर न्यूज | लंदन



फुटबॉल अब मैदान पर कौशल के साथ डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की जंग बन चुका है। 2026 में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड की टीम ने एक खास 'मास्टरप्लान' तैयार किया है।

इंग्लैंड की टीम अपनी रणनीति, पेनल्टी शूटआउट और खिलाड़ियों की फिटनेस के लिए पूरी तरह से एआई पर निर्भर होती जा रही है। हेड कोच थॉमस टुचेल के साथ डगआउट में अब सिर्फ असिस्टेंट कोच ही नहीं, बल्कि डेटा साइंटिस्ट और एनालिस्ट भी बैठ रहे हैं। एआई का सबसे ज्यादा असर पेनल्टी की

तैयारी में देखने को मिला है। अब इंग्लैंड हर संभावित विरोधी टीम और उसके खिलाड़ियों का पेनल्टी डेटा पहले से तैयार करता है। इसमें यह भी शामिल होता है कि किस विरोधी खिलाड़ी ने 16 साल की उम्र से अब तक पेनल्टी कहां-कहां लगाई है। पहले एक टीम का ऐसा प्रोफाइल

इससे अमीर और गरीब टीमों के बीच खाई बड़ेगी

एआई तकनीक सस्ती नहीं है। इसमें करोड़ों का खर्च आता है। जानकारों का मानना है कि इससे इंग्लैंड, जर्मनी और अमेरिका जैसे अमीर देशों को फायदा होगा, जबकि आइसलैंड जैसे छोटे देश पिछड़ सकते हैं। आइसलैंड के एनालिस्ट टॉम गुडऑल कहते हैं, 'इंग्लैंड के पास अथाह पैसा और स्टाफ है, जबकि हमारे पास संसाधनों की कमी है। एआई फुटबॉल में अमीर और गरीब टीमों के बीच की खाई को और गहरा कर देगा।'

बनाने में कई दिन लग जाते थे, अब वही काम कुछ घंटों में हो जाता है। इसका फायदा सीधे गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को मिलता है, जिन्हें पेनल्टी से पहले विरोधी खिलाड़ी की आदतों की सटीक जानकारी रहती है। इंग्लिश गोलकीपर अपनी पानी की बोतल पर यह डेटा चिपकाकर

रखते हैं। इसका असर यह हुआ है कि इंग्लैंड ने पिछले चार में से तीन पेनल्टी शूटआउट जीते हैं, जबकि उससे पहले लगातार 5 हारे थे।

इंग्लैंड के खिलाड़ी कॉनर कोडी बताते हैं कि एआई ने पेनल्टी के दौरान खिलाड़ियों का डर खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, 'जब आपको

पहले से पता हो कि कहां किक मारनी है, तो दबाव खत्म हो जाता है। हमें लगता है कि अगर गलती हुई तो वो मशीन की है, हमारी नहीं।'

फिटनेस के लिए भी एआई का सहारा लिया जा रहा है। सुबह नाश्ते से पहले हर खिलाड़ी को एक डिवाइस पर अपनी स्थिति अपडेट करनी होती है; जैसे नौद कैसी आई, थकान है या नहीं, या शरीर में कोई दर्द तो नहीं। अगर किसी खिलाड़ी ने लिखा कि उसकी 'हैमस्ट्रिंग' (जांघ की नस) में खिंचाव है, तो एआई तुरंत टीम के कोच और फिजियो को अलर्ट भेज देता है। उसी आधार पर उस दिन की ट्रेनिंग और डाइट तय की जाती है।